संख्या-405/2020/1492/22-2-2019-17(847)/2019

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/ महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 22 सितम्बर, 2020***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मपाल पुत्र श्री नारायन सिंह, निवासी जनपद-अमरोहा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-551/प्रोबे0-5-द0या0 बैठक-20-11-2018 दिनांक 08-01-2019 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी धर्मपाल पुत्र श्री नारायन सिंह, ग्राम-नगलिया जट, थाना-रजबपुर, जनपद-अमरोहा का रहने वाला है। बन्दी ने दिनांक 04.08.2003 को 02 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 02 लड़कियों को बदनीयती के उद्देश्य से गन्ने के खेत में खींच लिया और लड़कियों के चिल्लाने की आवाज सुनकर खेतों में काम कर रहे लोगों ने उनका पीछा किया तो बदमाशों ने भागते हुए फायर करके 03 व्यक्तियों की हत्या कारित की। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-485/2003 एवं 481, 482, 483/2003 में भा0द0वि0 की धारा-302, 307, 354 व धारा-25 शस्त्र अधि0 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय अपर जिला/विशेष सत्र न्यायाधीश, जे0पी0 नगर, अमरोहा के आदेश दिनांक 30.11.2006 द्वारा मृत्युदण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 17.10.2008 द्वारा आजीवन कारावास में परिवर्तित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 27.07.2018 तक 14 वर्ष 02 माह 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष 10 माह 08 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला मजिस्ट्रेट ने बंदी की समयपूर्व मुक्ति की दशा में पुन: अपराध करने की सम्भावना के दृष्टिगत तथा पुलिस अधीक्षक ने अपनी आख्या में समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। दयायाचिका समिति द्वारा बंदी के कारित अपराध की प्रकृति एवं जिला मजिस्ट्रेट/पुलिस अधीक्षक द्वारा समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति न किये जाने के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी धर्मपाल (बन्दी संख्या-12388) पुत्र श्री नारायन सिंह, निवासी जनपद-अमरोहा की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

संख्या-405/2020/1492(1)/22-2-2019 तद्दिनांक....

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, अमरोहा।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

कृष्ण कुमार सिंह
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in